सांध्य दैनिक **4PM**

एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है। इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।

-विलियम शेक्सपीयर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 23 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 24 फरवरी, 2023

रिपोर्टिंग पर रोक लगाने से सुप्रीम... 8 | बिहार में राजनैतिक जमीन तलाशेंगे... 3 | भाजपा का सबका साथ, सबका विकास... 7

कांग्रेस का महाअधिवेशन शुरू गांधी के सपने को करेंगे साकार

15,000 प्रतिनिधि जुटे, रायपुर में दिखा दम

» सोनिया और राहुल दोपहर रायपुर पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रायपुर में कांग्रेस का 85वां राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हो गया है। इसमें पार्टी के कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों को नामित करने के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अधिकृत किया गया है। यह जानकारी बैठक के बाद महासचिव जयराम रमेश ने दी। लगभग 15,000 प्रतिनिधि कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेंगे।

जयराम रमेश ने बताया कि हम कांग्रेस के संविधान में संशोधन ला रहे हैं, जिसके तहत कमजोर वर्गो, अनूसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी, महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यक समुदाय के लिए प्रतिनिधित्व सुरक्षित और सुनिश्चित करने के प्रावधान किया जाएगा। कांग्रेस के संविधान में कार्य समिति का चुनाव कराने या फिर सीडब्ल्यूसी के सदस्यों को नामित करने के लिए अध्यक्ष को अधिकृत करने का भी प्रावधान है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा ये अधिवेशन इस लिहाज से खास है कि आज से करीब 100 साल पहले 1924 में महात्मा गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे। तब यह महाधिवेशन मेरे गृह राज्य कनार्टक में बेलगांव में हुआ था। उन्होंने कम समय में कांग्रेस को गरीब कमजोर तबकों, गांव देहात और नौजवानों को एक साथ जोड़कर एक आंदोलन बना दिया था। 100 साल बाद उसी संकल्प की जरूरत है। ये उनके प्रति हमारी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। कांग्रेस के हर महाधिवेशन में कुछ अहम फैसले हुए हैं। जिससे हमारा संगठन आगे बढ़ा। कुछ अधिवेशन मील के पत्थर बने। राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा से देश भर में जो ऊर्जा भरी और महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मुद्दों पर जिस तरह जागरूकता फैलाई है, उस जोश को हमें बनाए रखना है। सोनिया और राहुल गांधी दोपहर रायपुर पहुंच गये हैं। सूत्रों ने बताया कि गांधी परिवार सुबह 10 बजे शुरू होने वाली बैठक में शामिल नहीं हुए।

खरगे लेंगे सीडब्ल्यूसी पर फैसला

सूत्रों के मुताबिक गांधी परिवार नए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को फ्री हैंड देना चाहता है और किसी भी तरह से फैसलों को प्रभावित नहीं करना चाहता है। हालांकि, वे अन्य कॉन्क्लेव में भाग लेंगे, जो 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के लिए विचार-मंथन की उम्मीद करता है, एक के बाद एक चुनावों में हार और बदलाव के लिए वर्षों की आंतरिक तकरार व नेताओं के पलायन के बाद, सोनिया गांधी ने अक्टूबर में 137 साल पुराने संगठन की बागडोर मल्लिकार्जुन खरगे को सौंप दिया था।

खरगे ने गांधी जी को याद किया

स्टीयरिंग कमेटी में चुने जाने हैं 12 सदस्य

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। सूत्र बताते हैं कि स्टीयरिंग कमेटी सीडब्ल्यूसी के चुनाव के बारे में फैसला कर सकती है, लेकिन इसे कुछ महीनों के लिए टाला जा सकता है। स्टीयरिंग कमेटी की बैठक सुबह और विषय समिति की बैठक शाम को होगी। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि वह सीडब्ल्यूसी के लिए चुनाव कराने को तैयार है, जहां 12 सदस्य चुने जाने हैं, कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी, जयराम रमेश ने कहा कि स्टीयरिंग कमेटी की बैठक के बाद हम इसके बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कह सकते हैं, पार्टी सीडब्ल्यूसी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है।

एक ही बस में पहुंचे गहलोत-माकन

कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में कमेटी के सदस्य दो बसों में पहुंचे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अजय माकन एक ही बस में थे। सितंबर 2022 में राजस्थान कांग्रेस के विधायकों द्वारा पार्टी लाइन की अवहेलना करने और एक समानांतर बैठक आयोजित करने के बाद दोनों नेताओं के बीच मतभेद पैदा हो गए थे। माकन ने राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी पद से इस्तीफा दे दिया था।

हसीन संयोग और बेहद हसीन प्रयोग : बघेल

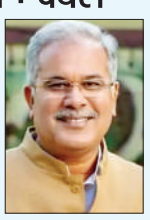

एक ट्वीट में सीएम बघेल ने कहा है कि, हसीन संयोग और बेहद हसीन प्रयोग छत्तीसगढ़ पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड 21 फरवरी 2023 को अडानी के अंबुजा सीमेंट और जीएमआर पावर और गोयल स्टील में पॉल्यूशन का निरीक्षण करता है, उसके बाद ईडी 22 फरवरी 2023 को बोर्ड कार्यालय में आकर 36 घंटे अधिकारियों व कर्मचारियों को बंद कर जांच करती रही।

हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवाही सपा ने फिर सरकार को घेरा

» शिवपाल ने उठाया खराब स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा के बजट सत्र का शुक्रवार को पांचवा दिन है। विधानसभा में गुरुवार को अखिलेश यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए जवाब दिया था।

वहीं उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को शिवपाल यादव ने छापामार मंत्री करार देते हुए। राज्य में बजट को पूरा नहीं खर्च कर पाने का मुद्दा भी उठाया है। उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था का भी मुद्दा उठाया। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कोरोना के वक्त जो भी मशीनें, वेंटिलेटर खरीदे गए थे, उनका आज कोई इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। वहीं समाजवादी पार्टी के ओर से जातिवार जनगणना की मांग को लेकर फिर विधानसभा में हंगामा होने की संभावना है। इससे पहले यूपी विधानसभा की कार्यवाही में जाने से पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों के साथ बैठक की है।

लखनऊ और दिल्ली के बीच कुछ गड़बड़ : अखिलेश

अखिलेश यादव ने सवाल किया, प्रधानमंत्री जी ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने को कहा था लेकिन, कहां दोगुनी हुई। मुझे तो लगता है कि लखनऊ (राज्य सरकार) और दिल्ली (केंद्र सरकार) में कुछ गड़बड़ चल रहा है।

टला हादसा : बची 182 यात्रियों की जान

» दम्माम जा रहे विमान में हाइड्रॉलिक फेल

» तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शुक्रवार को फुल इमरजेंसी का एलान कर दिया गया। बताया गया है कि कलीकट से दम्माम जा रही एक फ्लाइट को हाइड्रोलिक फेल होने की वजह से तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट डायवर्ट किया गया, जिसके बाद यहां आपातकाल का एलान कर दिया गया।

फ्लाइट को एयरपोर्ट पर 12.15 बजे लैंड करा लिया गया। सूत्रों का कहना है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट आईएक्स-3 385 में 182 यात्री सवार थे। कलीकट से टेकऑफ के दौरान विमान का पिछला हिस्सा रनवे

से टकरा गया। इसके बाद आनन-फानन में पायलटों ने फ्लाइट का ईंधन अरब सागर में डंप किया और विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई। इस दौरान एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी लागू रही।

भाजपा से लड़ने के लिए तैयार हूं : पवन खेड़ा

» सुप्रीम कोर्ट ने 28 फरवरी तक दी अंतरिम जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एयरपोर्ट से बाहर आने के बाद पवन खेड़ा ने अपनी गिरफ्तारी को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पवन खेड़ा ने कहा कि ये लंबी लड़ाई है और वह इसे लड़ने के लिए तैयार हैं। पवन खेड़ा ने विमान से उतारे जाने पर कहा था कि मुझे कहा गया था कि आपके सामान को लेकर कुछ समस्या है, जबकि मेरे पास केवल एक हैंडबैग है। जब फ्लाइट से नीचे आया तो बताया गया कि आप नहीं जा सकते हैं। फिर कहा गया कि आपसे डीसीपी मिलेंगे। विमानन कंपनी इंडिगो ने पूरे मामले को लेकर एक बयान जारी किया। इंडिगो ने कहा है कि एक यात्री को पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट पर रायपुर जाने वाली फ्लाइट से उतार दिया। कुछ अन्य यात्रियों ने भी अपनी मर्जी से उतरने का फैसला किया। हम संबंधित अधिकारियों की सलाह का पालन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि उन्हें 28 फरवरी तक अंतरिम जमानत पर रिहा कर राहत प्रदान की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गिरफ्तारी को लेकर सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि यह कार्रवाई सरकार के तौर-तरीके का परिचायक है। संसद में मुद्दा उठाने पर विपक्षी सदस्यों को नोटिस दिया जाता है और पार्टी के राष्ट्रीय महाधिवेशन से पहले छत्तीसगढ़ में हमारे नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे मारे जाते हैं।

> भाजपा इसी तरह से काम करती है क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी को कानून, संविधान और लोकतंत्र में कोई विश्वास नहीं है। सपा मुखिया ने कहा कि विपक्ष को परेशान करना बीजेपी को मंहगा पड़ेगा।
>
> अखिलेश यादव, सपा सुप्रीमो

आरोपी ने बिना शर्त माफी मांगी है : सरमा

नई दिल्ली। पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बिना शर्त माफी मांग ली है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कांग्रेस नेता और अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि पवन खेड़ा ने माफी मांग ली है। इसको लेकर असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने तंज कसा है। सरमा ने ट्वीट कर कहा कि आरोपी कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बिना शर्त माफी मांगी है। हम आशा करते हैं कि सार्वजनिक स्थानों की पवित्रता को बनाए रखते हुए अब से कोई भी असभ्य भाषा का उपयोग नहीं करेगा। असम पुलिस मामले को फॉलो करेगी।

विपक्ष संसद में मुद्दे उठाए तो नोटिस दिया जाता : खरगे

खरगे ने ट्वीट किया विपक्ष संसद में मुद्दे उठाए तो नोटिस दिया जाता है। महाधिवेशन के पहले छत्तीसगढ़ के हमारे नेताओं पर ईडी की छापेमारी कराई जाती है। आज पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख खेड़ा को विमान से जबरदस्ती उतारकर गिरफ्तार किया गया। भारत के लोकतंत्र को मोदी सरकार ने हिटलरशाही बना दिया। हम इस तानाशाही की घोर निंदा करते हैं।

भारत बनाना रिपब्लिक बन गया है : वेणुगोपाल

कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या भारत बनाना रिपब्लिक बन गया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह इसी तरह से काम करती है क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी को कानून, संविधान और लोकतंत्र में कोई विश्वास नहीं है।

खुद ही मदिरा प्रदेश कहते थे शिवराज तब नहीं की आपत्ति : कमलनाथ

» भाजपा सरकार ने देसी व विदेशी मदिरा की दुकानें दोगुनी कर दीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि मदिरा प्रदेश शब्द तो सबसे पहले शिवराज सिंह चौहान ने मप्र के लिए उपयोग किया है। अब आपत्ति दिखा रहे हैं। कांग्रेस सरकार के समय आप मदिरा प्रदेश का पूरा अभियान चला रहे थे। भाजपा सरकार ने देसी और विदेशी मदिरा की संयक्त दुकान खोलकर दुकानें दोगुनी बढ़ा दी है। कमलनाथ ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर अहीर रेजीमेंट की स्थापना की भी मांग की है। उन्होंने कहा, यादव समाज के वीर जवानों ने देश का मान बढ़ाया है।

ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने गुरुवार को कहा कि कमलनाथ को मप्र की संस्कृति से लगाव नहीं है। उन्होंने मदिरा प्रदेश कहकर मप्र का अपमान किया है। हमें जितना गाली दें, मप्र को कुछ न कहें। भाजपा सरकार की आबकारी नीति नशे को हतोत्साहित करेगी। आपने तो उप दुकानें खुलवा दी थीं। ऑनलाइन शराब बिकेगी, महिलाओं के लिए अलग दुकान होंगी, ऐसा चाहते थे। इधर, भाजपा ने प्रदेशभर में कमलनाथ के खिलाफ प्रदर्शन किए। प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने नाथ के बयान की निंदा की।

उधर भाजपा सांसद अनिल फिरोजिया ने कमलनाथ को कमरनाथ कह कर तंज कसा है।सांसद ने कहा कि आपने सुना होगा कि ये 18 महीने की औलाद है, सुधरेगा नहीं, कई बार बुजुर्ग यह कहते हैं। 18 महीने की सरकार आई थी कमलनाथ की, इसलिए कह रहा हूं कि कांग्रेसी कभी नहीं सुधरेंगे।

मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू : सचिन पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। कांग्रेस के अधिवेशन से पहले सचिन पायलट ने कहा कि इस अधिवेशन से कांग्रेस में एक नया संदेश जाएगा और रायपुर से कांग्रेस का अधिवेशन देश की राजनीति में एक अहम जगह रखता है। यहां पर प्रस्ताव पारित होंगे और जो संदेश जाएगा, उसे हम जन-जन तक पहुंचाएंगे।

पायलट ने आगे कहा कि 2024 के लिए एनडीए सरकार का रिवर्स काउंटडाउन यहां से शुरू होता है। राजस्थान के लिए ये अधिवेशन इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों से प्रदेश कांग्रेस में पायलट-गहलोत विवाद से पार्टी की किरकिरी हुई है, वहीं अब कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि रायपुर में हो रहे इस बड़े राजनीतिक कार्यक्रम में इस मसले का भी जरूर हल निकलेगा। सभी की नजरें इस अधिवेशन पर टिकी हैं।

तीन साल से पासपोर्ट के रिन्यूवल का इंतजार : महबूबा मुफ्ती

» जयशंकर को पत्र लिखकर की हस्तक्षेप की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) चीफ महबूबा मुफ्ती ने अपने पासपोर्ट के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी बेटी इल्तिजा (35) को पासपोर्ट जारी करने में हो रही देरी को भी हाइलाइट किया, जो विदेश में उच्च शिक्षा के लिए जाना चाहती हैं।

महबूबा ने पत्र में कहा है, मैं आपको इस विषय के बारे में लिख रही हूं जो अनवाश्यक रूप से पिछले तीन वर्षों से खींचा जा रहा है। उन्होंने कहा, मेरी मां (गुलशन नजीर) और मैंने मार्च 2020 में पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन दिया था।

मां को ले जाना है मक्का यात्रा पर

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वह अपनी 80 साल की मां को मक्का की तीर्थ यात्रा पर ले जाने के लिए पिछले तीन साल से इसका (पासपोर्ट का) इंतजार कर रही हैं। महबूबा ने विदेश मंत्री को लिखे एक पत्र में कहा है कि उनके पासपोर्ट का रिन्यूवल पेंडिंग है क्योंकि जम्मू- कश्मीर सीआईडी ने अपनी रिपोर्ट में यह उल्लेख किया था कि उन्हें यह यात्रा दस्तावेज जारी करना राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में नहीं होगा।

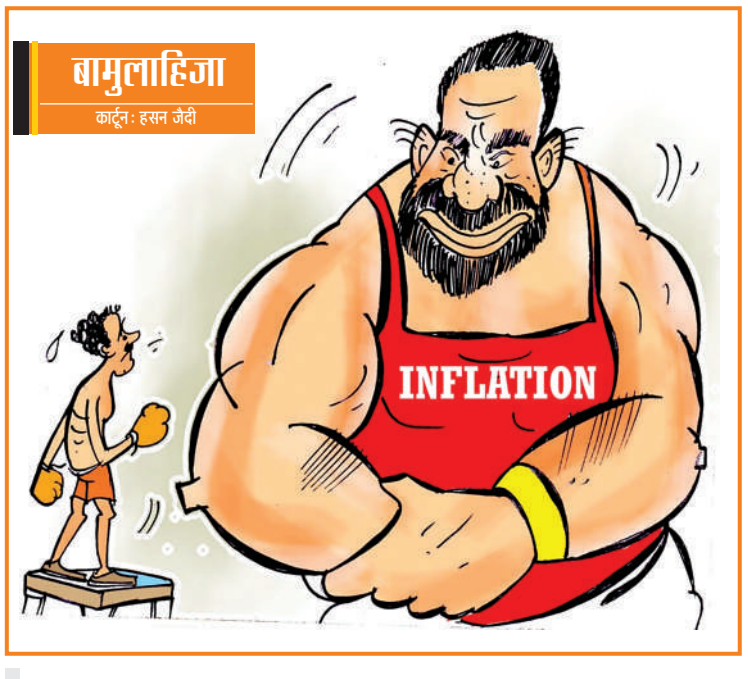

20-25 साल तक भाजपा का साथ देने वाले अब भय दिखा रहे: अख्तरुल

» महागठबंधन की महारैली के पहले ओवैसी की पार्टी का जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

किशनगंज। बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन की 25 फरवरी को पूर्णिया में महारैली से पहले एआईएमआईएम ने महागठबंधन पर जोरदार निशाना साधा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने कहा कि 20 से 25 वर्षों तक भाजपा का बिस्तर गर्म करने वाले आज भाजपा का भय दिखाकर मुस्लिमों का वोट लेना चाहते हैं। विधायक इमान ने कहा कि रैली के जरिए वे लोग हमको ख्वाब दिखा रहे हैं।

उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि जब बाबरी मस्जिद टूटी तो कौन लोग कहां थे, जब बाबरी मस्जिद का फैसला आया तो कौन लोग कहां थे, जब गुजरात जलता था तो कौन लोग कहां थे, और यह लोग फिर इकट्ठा होकर हमारी पार्टी को भाजपा का बी टीम बताएंगे । अख्तरुल इमान ने कहा कि इन नेताओं को दूसरों पर आरोप लगाने से पहले खुद को आईने में देख लेना चाहिए कल तक भाजपा के साथ कौन था, किसने हमारे पार्टी के 4 विधायकों को तोड़कर सरकार बनाई है।

बिहार में राजनैतिक जमीन तलाशेंगे उपेन्द्र कुशवाहा

» भाजपा नेताओं से मिले, नीतीश को बताया विरासत

» यात्रा से साधेंगे जन-जन को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जदयू छोड़कर अपनी नई पार्टी बनाने वाले उपेन्द्र कुशवाहा पूरे बिहार में घूमेंगे। कुशवाहा ने इस यात्रा को विरासत बचाओ नमन यात्रा का नाम दिया है। इस यात्रा के जरिये अपना जनाधार बढ़ाने की जुगत करेंगे। साथ ही उपेंद्र 2024 में अपनी राजनीतिक जमीन को बचाने की भी कोशिश करेंगे। ज्ञात हो कि जनता दल यूनाईटेड (जदयू) से निकाले जाने के पहले निकल लिए उपेंद्र कुशवाहा ने नई पार्टी की घोषणा के अगले दिन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल से मुलाकात की और अपनी यात्रा का पूरा शिड्यूल जारी किया। यात्रा शिड्यूल के लिए प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय लोक जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी समाजवादी विरासत का हिस्सा बताया।

कुशवाहा 28 फरवरी से 6 मार्च और 15 मार्च से 20 मार्च के दरम्यान विरासत बचाओ नमन यात्रा पर निकल रहे हैं। यह यात्रा विरासत के नाम पर है, लेकिन तीन दशक से बिहार की राजनीति जिस धुरी पर टिकी है- कुशवाहा उसी पर घूमेंगे। पहला चरण में वह, 28 फरवरी- बापू आश्रम- भितिहरवा, पश्चिम चंपारण,1 मार्च - शहीद जुब्बा सहनी स्मारक, मीनापुर, मुजफ्फरपुर,2 मार्च - शहीद रामफल मंडल स्मारक, बाजपट्टी, सीतामढ़ी,2 मार्च- बापू सूरज नारायण सिंह स्मारक, नरपतनगर, मधुबनी,3 मार्च- फणीश्वरनाथ रेणु स्मारक, औराही, अररिया,4 मार्च- बी.पी. मंडल स्मारक, मधेपुरा,5 मार्च- जननायक कर्पूरी ठाकुर स्मारक, कर्पूरी ग्राम, समस्तीपुर,6 मार्च- जगलाल चौधरी स्मारक, गड़खा, सारण,6 मार्च- शहीद चंद्रशेखर उर्फ चंदू जी स्मारक, सीवान,दूसरा चरण 15 मार्च- लाल सिंह त्यागी स्मारक, एकंगरसराय, नालंदा,15 मार्च- गुरु सहाय लाल स्मारक, बिहार शरीफ, नालंदा,15 मार्च- डॉ. श्री कृष्ण सिंह स्मारक, बरबीघा, शेखपुरा,16 मार्च- वीर शहीद तिलकामांझी स्मारक, भागलपुर,17 मार्च- जेपी आश्रम- शेखोदौरा, नवादा,17 मार्च- पर्वतपुरुष दशरथ मांझी स्मारक, गहलौड़ घाटी गया,18 मार्च- डॉ. अब्दुल कयूम अंसारी स्मृति कार्यक्रम, डेहरी ओन सोन, रोहतास,18 मार्च - शहीद निशांत सिंह स्मारक, सासाराम, रोहतास,19 मार्च- बाबू वीर कुंवर सिंह स्मारक, जगदीशपुर, भोजपुर,19 मार्च- बाबू जगजीवन राम स्मारक, चंदवारा, भोजपुर, 20 मार्च- शहीद जगदेव प्रसाद जी स्मारक, कुर्था, अरवल की खाक छानेंगे। बिहार में पिछले करीब 30 साल से राजनीति के अंदर जाति का बहुत बड़ा प्रभाव रहा है। क्षेत्रीय दल ज्यादातर जाति आधारित हैं। सभी तरह की पार्टी प्रत्याशी देते समय सीट पर जाति का प्रभाव देखती है और प्रभावशाली जाति के प्रत्याशी को अमूमन मौका देती है। वोटरों में भी बड़ी आबादी जाति आधारित पार्टी या प्रत्याशी को वोट देती है। अब तो जाति आधारित बातें और ज्यादा बढ़ गई हैं, क्योंकि ब्रिटिश काल के बाद पहली बार बिहार में राज्य सरकार जातिगत जनगणना करा रही है। उपेंद्र कुशवाहा ने जदयू छोड़ने के पीछे सभी जातियों को साथ चलने की बात कही थी और विरासत बचाओ नमन यात्रा में भी कहीं न कहीं वह लक्ष्य है।

पश्चिम चंपारण से शुरू करेंगे यात्रा

राष्ट्रीय लोक जनता दल के अध्यक्ष कुशवाहा अपनी विरासत बचाओ नमन यात्रा की शुरुआत पश्चिम चंपारण में उस जगह से कर रहे हैं, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से जुड़ी है। भितिहरवा कई राजनीतिक यात्राओं के प्रारंभ या समापन के लिए चर्चित रहा है। चूंकि महात्मा गांधी की जाति सभी को पता है और सभी उनपर अधिकार मानते हैं, इसलिए उसपर नहीं जाते हैं। कुशवाहा मार्च में सबसे पहले मुजफ्फरपुर में शहीद जुब्बा सहनी स्मारक जाएंगे। जुब्बा सहनी साहनी जाति से थे और राजनेताओं ने इस रूप में भी इन्हें खूब प्रचारित किया है। इसके बाद कुशवाहा शहीद रामफल मंडल स्मारक पर जाएंगे। मंडल धानुक जाति से थे। इसके बाद नंबर आएगा बाबू सूरज नारायण सिंह स्मारक का। वह राजपूत जाति से थे। साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु स्मारक की यात्रा बिहार की विरासत मानकर की जाएगी, लेकिन हकीकत यह है कि रेणु की धानुक जाति के बारे में भी पिछले दो दशकों में खूब चर्चा है। ~~श्रेष्ठ~~ अध्यक्ष अगली यात्रा मधेपुरा लेकर निकलें, जहां वह बी.पी. मंडल स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। जातिगत व्यवस्था को लेकर बहुचर्चित मंडल कमीशन के प्रमुख बी. पी. मंडल खुद यादव जाति के थे। बिहार में यादव जाति का बहुत प्रभाव है और सत्तासीन तेजस्वी यादव को हटाने को लेकर कुशवाहा बड़ी रणनीति की जरूरत बता चुके हैं। यात्रा आगे समस्तीपुर जाएगी, जहां जननायक कर्पूरी ठाकुर स्मारक की यात्रा करेंगे। कर्पूरी नाई जाति से थे और कुछ दिन पहले भी इस जाति को साथ लाने के लिए पटना में बड़ा कार्यक्रम सत्ताधारी दल ने भी किया था। यात्रा आगे सारण- सीवान जाएगी। सारण में जगलाल चौधरी स्मारक पर जाना है। चौधरी दलित वर्ग के पासी समाज से थे। सीवान में वह शहीद चंद्रशेखर उर्फ चंदू जी स्मारक पर जाएंगे। छात्र नेता चंद्रशेखर की हत्या का आरोप राजद के बाहुबली पूर्व सांसद दिवंगत मो. शहाबुद्दीन पर था।

बिहार में राजनीति पर जाति का प्रभाव

दूसरे चरण की इन विरासतों पर लक्ष्य

कुशवाहा अपनी यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला से करेंगे और लक्ष्य भी इनकी जातीय विरासत यहां लक्ष्य पर रहेगी। एकंगरसराय में वह लाल सिंह त्यागी स्मारक और बिहारशरीफ में गुरु सहाय लाल स्मारक पर जाएंगे। इसके बाद कुशवाहा भूमिहार राजनीति के वर्चस्व से चर्चित क्षेत्र शेखपुरा जाएंगे और डॉ. श्रीकृष्ण सिंह स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर आगे बढ़ेंगे। बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह भूमिहार थे। आगे वह भागलपुर में वीर शहीद तिलकामांझी स्मारक की यात्रा करेंगे। तिलका मांझी आदिवासी थे। अगली यात्रा नवादा के जेपी आश्रम की होगी। लालू प्रसाद, नीतीश कुमार जैसे नेताओं को खड़ा करने वाले जेपी कायस्थ जाति के थे, यह पिछले 20 वर्षों में जनता को बताया जाता रहा है। गया में कुशवाहा पर्वतपुरुष दशरथ मांझी स्मारक पर जाएंगे। माउंटेनमैन की जाति मुसहर थी और कुशवाहा पहले ही कह चुके हैं कि सरकार को हर वर्ग से जुड़ना चाहिए और हर वर्ग को सत्ता से जोड़ना चाहिए। आगे वह रोहतास में डॉ. अब्दुल कयूम अंसारी स्मृति कार्यक्रम में शामिल होंगे। अंसारी मुसलमानों में पिछड़ा वर्ग होता है। कुशवाहा इससे आगे रोहतास जाएंगे और शहीद निशांत सिंह स्मारक पर कार्यक्रम होगा। शहीद निशांत राजपूत थे। भोजपुर में भी इसी जाति का विरासत लक्ष्य पर होगा, जहां कुशवाहा बाबू वीर कुंवर सिंह स्मारक की यात्रा करेंगे। भोजपुर में ही कुशवाहा बाबू जगजीवन राम स्मारक पर भी जाएंगे। जगजीवन राम की जाति सभी जानते हैं, लेकिन उनकी जाति को पिछले करीब डेढ़ दशक में अहम भागीदारी नहीं मिली है। यात्रा का अंत अरवल में शहीद जगदेव प्रसाद स्मारक पर होगा। वह कोइरी जाति से थे, जिसे कुशवाहा भी कहा जाता है।

अभी भी उद्धव का है महाराष्ट्र में जनाधार

» ठाकरे नाम से बनेगा चुनावी काम

» कांग्रेस और एनसीपी से बनानी होगी अलग राह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे राजनीति के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद जब उद्धव ठाकरे ने बीजेपी से नाता तोड़कर कांग्रेस और एनसीपी के समर्थन से सरकार बनाई, तो यह सिर्फ महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति के लिए चौंकाने वाला फैसला रहा था। उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने, लेकिन उन्होंने शायद ये सोचा भी नहीं होगा कि यह फैसला आगे चलकर उनके लिए कितनी मुश्किल लाने वाला है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि उनके साथ बाला साहब ठाकरे का नाम जुड़ा है जो उन्हें लाभ जरूर पहुंचाएगा।

पार्टी में टूट के बाद हुए दो सर्वे में उनके खेमे वाले यूपीए की सीटें लगातार बढ़ी हैं, अगस्त 2022 के सर्वे में यूपीए को 30 सीट मिलती दिखाई गई थीं, जबकि जनवरी 2023 के सर्वे में ये बढ़कर 34 सीट हो गई है। प्रकाश अंबेडकर के साथ उद्धव का गठबंधन बीएमसी के लिए ही है लोकसभा में वे कांग्रेस और एनसीपी के साथ ही चल रहे है। सामना में लिखे लेख से ये साफ भी हो गया है, उद्धव ठाकरे के लिए राहत की बात ये है कि सत्ता और पार्टी गंवाने के बाद भी उनकी लोकप्रियता बनी हुई है।

वहीं, सत्ता और पार्टी पर पकड़ बनाने के बाद भी शिंदे गुट को अभी तक कोई सफलता नहीं मिल सकी है। हाल ही में हुए विधान परिषद चुनावों में बीजेपी-शिंदे गुट 5 में से 4 सीटों पर हार गया था। उद्धव के फैसले से बीजेपी तो तिलमिलाई ही थी, पार्टी के अंदर भी एक धड़े में असंतोष पनपा। जो बढ़ता ही रहा और 2022 में बगावत के रूप में फूट पड़ा। इस बगावत का नेतृत्व किया एकनाथ शिंदे ने इस बगावत ने पहले उद्धव ठाकरे के हाथ से सत्ता छीनी और फिर एक के बाद एक झटके के बाद अब वे पार्टी का नाम और निशान भी गंवा चुके हैं। वो पार्टी जिसे उनके पिता बालासाहेब ने खड़ा किया और जिसे उनके परिवार की राजनीतिक विरासत माना जाता था। शिवसेना को कभी ठाकरे परिवार से अलग सोचा भी नहीं जाता था, आज उसी शिवसेना की लड़ाई फिलहाल तो हारते दिख रहे हैं। चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे के गुट को ही असली शिवसेना मानते हुए पार्टी का चुनाव निशान भी उसे सौंप दिया, उद्धव ठाकरे सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन बुधवार (22 फरवरी) को सर्वोच्च अदालत ने भी चुनाव आयोग के फैसले को बने रहने दिया।

अभी मुश्किलें कम नहीं

उद्धव ठाकरे के लिए मुश्किल यहीं कम नहीं होती दिख रही है। पार्टी जाने के बाद अब उद्धव ठाकरे के लिए नए सिरे से पूरा ढांचा खड़ा करना होगा। उद्धव अब पहले जैसी स्थिति में नहीं हैं। इस बात को एनसीपी और कांग्रेस जैसे सहयोगी समझ रहे हैं और इस कमजोरी का फायदा उठाना चाहेंगे। यह भी हो सकता है कि एनसीपी और कांग्रेस धीरे-धीरे उद्धव ठाकरे से किनारा ही न कर ले, एनसीपी की तरफ से तो पहले ही अगले मुख्यमंत्री के लिए नाम उछाला जाने लगा है.

सियासी वजूद की लड़ाई

उद्धव ठाकरे के सामने बीएमसी के चुनाव सबसे बड़ी चुनौती है। बीएमसी में 25 सालों से शिवसेना का राज रहा है, लेकिन वो शिवसेना ठाकरे परिवार की हुआ करती थी, अब शिवसेना एकनाथ शिंदे की हो चुकी है, अगले कुछ महीने में होने वाला बीएमसी का मुकाबला राज्य में कई नए राजनीतिक समीकरणों की राह तय करेगा, शिंदे को जहां ये साबित करना होगा कि क्या वे वाकई बाल ठाकरे के राजनीतिक वारिस हैं, बीजेपी के लिए यह बताएगा कि क्या उन्होंने सही दांव लगाया है, उद्धव ठाकरे के लिए तो यह एक तरह से सियासी वजूद की लड़ाई है। बीएमसी के चुनाव उद्धव के भविष्य की राह बहुत कुछ तय करेंगे, यही वजह है कि उन्होंने एक नए राजनीतिक समीकरण का एलान किया है, बीएमसी में उन्होंने प्रकाश अंबेडकर वंचित बहुजन अघाडी के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है, हिंदुत्व और मराठा विचारधारा वाले उद्धव ठाकरे और दलित और मुस्लिम के बीच पैठ वाले प्रकाश अंबेडकर के बीच सियासी गठजोड़ राज्य के लिए नया सियासी प्रयोग है, इस प्रयोग के नतीजों पर उद्धव ठाकरे का बहुत कुछ दांव पर है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कानून से खिलवाड़ कितना जायज!

भिवानी कांड के बाद आरोपियों के पक्ष में जिस तरह से रास्ते रोककर पुलिस को धमकी दी गई वह एक अनुचित कार्यकलाप है। ज्ञात हो कि भिवानी में गो-तस्करी के मामले में दो लोगों को जलाकर मार दिए जाने का मामला सामने आया था। चिंता की बात यह है कि जिस तरह से आरोपियों के पक्ष में पंचायत हो रही है उसे पुलिस और प्रशासन की छवि खराब हो रही है। यही नहीं, हरियाणा में यह ट्रेंड पिछले कुछ समय से दिख रहा है। हरियाणा के भिवानी में एक कार के अंदर दो लोगों को गो-तस्करी के मामले में कथित तौर पर जलाकर मार दिए जाने की घटना के बाद जिस तरह से आरोपियों के पक्ष में पंचायत की जा रही है, वह प्रदेश में पुलिस और प्रशासन के लिए चिंताजनक है। मसला यह नहीं है कि प्रदेश में गो-संरक्षण से जुड़े कानून का उल्लंन हुआ या नहीं। मूल मुद्दा यह है कि इस या ऐसे किसी भी कानून का उल्लंघन अगर होता है तो उससे निपटने का ढंग क्या होना चाहिए। संविधान में साफ-साफ उससे निपटने का जिक्र किया गया है। उसमें ये भी कहा गया कि राज्य या राज्य से अलग किसी को कानून हाथ में लेने की छूट दी जा सकती है।

हरियाणा में जिस तरह का ट्रेंड पिछले कुछ समय से दिख रहा है, उसके मद्देनजर यह संदेह होना स्वाभाविक है कि क्या गो-संरक्षकों की एक ऐसी जमात आ गई है, जिसने पुलिस-प्रशासन के घोषित-अघोषित संरक्षण के बूते कानून हाथ में लेना अपना धर्म मान लिया है। इस मामले के मुख्य आरोपी मोनू मानेसर की टीम कथित गो-तस्करों के खिलाफ जिस तरह से कदम उठाती रही है, उसके सोशल मीडिया पर इन लोगों द्वारा ही डाले गए वीडियो खुद अपनी कहानी बयां करते हैं। इन वीडियोज में ये कथित गौ तस्करों का न सिर्फ पीछा करते, उन्हें पकड़ते बल्कि कई मामलों में उन्हें पीटते हुए भी नजर आते हैं। आरोपी बताए जा रहे लोग कई मामलों में हरियाणा पुलिस के इन्फॉर्मर रहे हैं और उनके नाम बाकायदा एफआईआर में भी दर्ज हैं। ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल पूछा जा सकता है कि क्या पुलिस इस मामले की निष्पक्ष जांच कर पाएगी? जिस तरह से जांच पूरी होने से पहले स्थानीय पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने पीड़ित परिवार के आरोपों को निराधार करार दे दिया, उससे भी यह संदेह बढ़ता है। सवाल यह भी है कि गो-संरक्षण और लव जिहाद जैसे मामलों में कानून-व्यवस्था की मशीनरी को कैसे अप्रासंगिक बनाया जा रहा है? जहां हरियाणा में बीजेपी के नेतृत्व में सरकार चल रही है, वहीं इस केस के तार कांग्रेस सरकार वाली राजस्थान से भी जुड़े हैं। राजस्थान पुलिस पर भी इस केस को लेकर आरोप लगे हैं। हालांकि वह इनका खंडन कर रही है, लेकिन इनका भी सही जवाब विश्वसनीय जांच से ही सामने आ सकता है।

दुर्भाग्यवश, जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है, उसमें निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच ही सबसे मुश्किल चीज बनती दिख रही है। यह स्थिति उस राज्य के लिए कतई सही नहीं कही जा सकती जो आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ाने और खेलों के नए हब के रूप में विकसित होने की जद्दोजहद में लगा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फिर जनाधार जुटाने का राजनीतिक प्रपंच

उमेश चतुर्वेदी

कहावत है कि इतिहास खुद को दोहराता है... उत्तर प्रदेश की विपक्षी राजनीति जिस तरह के कदम उठा रही है, उससे तो यह कहावत सही ही होती नजर आ रही है। अंतर बस इतना है कि पिछली सदी के नब्बे के दशक में जो पक्ष सत्ता में था, वह इन दिनों विपक्ष में है और जो विपक्षी भूमिका में थे, उनके हाथ न सिर्फ उत्तर प्रदेश, बल्कि देश की कमान है। तब और अब में अंतर कुछ और भी हैं। तब राममंदिर के लिए आंदोलन चल रहा था और अब रामचरित मानस को सवालों के घेरे में लाने की कोशिश हो रही है। समाजवादी पार्टी जिस तरह रामचरितमानस और तुलसी दास पर सवाल उठाने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य के बचाव में उतरी है, उससे राममंदिर आंदोलन के दौरान के उसके कदमों की याद ताजा हो रही है।

तब मुलायम सिंह यादव ने बतौर मुख्यमंत्री कहा था कि बाबरी ढांचे के पास परिंदा भी पर नहीं मार सकता और अब उनके उत्तराधिकारी अखिलेश यादव स्वामी प्रसाद मौर्य को एक तरह से शह दे रहे हैं। यह शह इतनी है कि उनकी मुखालफत करने वाली अपनी पार्टी की दो महिला नेताओं रोली मिश्रा और ऋचा सिंह को पार्टी से निकालने में देर नहीं लगाई। उ.प्र. की तरह बिहार की समाजवादी राजनीति में अब तक कोई ऐसा निष्कासन नहीं हुआ है। लेकिन राजनीति की आंच पर रामचरितमानस की चरित्र हत्या करने की शुरुआत बिहार से ही हुई है। दिलचस्प यह है कि राजद के सदस्य और राज्य सरकार के मंत्री जिस चंद्रशेखर ने रामचरितमानस पर सवाल उठाया, उनका अब तक राजनीतिक रूप से कुछ भी बाल बांका नहीं हुआ है। चाहे स्वामी प्रसाद मौर्य हैं या फिर चंद्रशेखर, उन्हें उनके राजनीतिक नेतृत्व की ओर से लगातार शह मिल रही है। उन्हें रोकने की कोशिश नहीं हो रही है। कुछ महीने पहले बिहार में हुए विधानसभा उपचुनाव में प्रचार के दौरान राजद नेता और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सवर्ण वोटरों को रिझाने की कोशिश करते नजर आए थे। तब ऐसा लगा था कि राजद अपने पारंपरिक वोट बैंक पिछड़ा, यादव और मुस्लिम के बाहर भी अपना आधार बढ़ाने की कोशिश में है।

उ.प्र. के पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी ब्राह्मणों को लेकर जिस तरह राजनीतिक सहानुभूति दिखाने की कोशिश विपक्षी खेमे से हुई, तब भी माना गया कि समाजवादी राजनीति अपने पारंपरिक वोट बैंक के साथ ही सवर्ण समाज को भी आकर्षित करने की दिशा में काम कर रही है। अखिलेश की इन्हीं कोशिशों के चलते मीडिया और

राजनीतिक समीक्षकों का एक वर्ग तकरीबन मान चुका था कि अखिलेश की वापसी हो रही है। आखिर क्या वजह है कि पिछड़े वर्ग में आधार रखने वाली समाजवादी राजनीति रामचरितमानस पर हमले को अपने लिए राजनीतिक हथियार बना रही है? तीन दशक पहले राम मंदिर आंदोलन के विरोध की वजह थोक मुस्लिम वोट बैंक को साधना था। इसमें लालू और मुलायम-दोनों कामयाब रहे। तब से उनका जो मुस्लिम वोट बैंक बना है, वह अब तक उनके साथ खड़ा है। हां, तब उनके साथ पिछड़े वर्ग के लोग भी थे, जिससे उनके लिए सत्ता की सीढ़ी आसान रही। लेकिन अब पिछड़े वर्ग में विभाजन हो गया है। अति पिछड़ी जातियां अब समाजवादी धारा के साथ खड़ी नहीं हैं। इसकी शुरुआत बिहार में नीतीश कुमार ने अपने पहले सत्तारोहण में ही की। जब उन्होंने दलित और पिछड़ी जातियों में अति दलित और अति पिछड़ा नाम से राजनीतिक विभाजन किया। भारत की जो जातीय संरचना है, उसमें एक वर्ग की जाति का जरूरी नहीं कि उसी वर्ग की दूसरी जाति से सद्भाव का रिश्ता हो। यही वजह है कि पिछड़े और दलित वर्ग में विभाजन हो गया। इसके साथ ही अति दलित और अति पिछड़ी जातियां भारतीय जनता पार्टी के खेमे में आ गईं। समाजवादी राजनीति की ओर से रामचरितमानस और तुलसीदास पर शूद्र, महिला आदि के नाम पर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, वे दरअसल सोची-समझी रणनीति के तहत उठाए जा रहे हैं। इनका मकसद है, मानस और तुलसी को दलित और पिछड़ा विरोधी साबित करना। इसके जरिए समाजवादी राजनीति के मौजूदा पुरोधाओं को लगता है कि चूंकि सनातन परंपरा में सबसे ज्यादा श्रद्धा सवर्ण समाज की है।

उन्हें लगता है कि अगर रामचरितमानस और तुलसी पर सवाल उठेगा तो सवर्ण तबके से प्रतिक्रिया उठेगी। यह प्रतिक्रिया जितनी तीव्र होगी, पिछड़े और दलित समाज को एक करने में ज्यादा आसानी होगी। इसके जरिए पिछड़ा और दलित विभाजन खत्म होगा। समाजवादी धारा की राजनीति को लगता है कि अगर ऐसा हुआ तो दलित और पिछड़ा वर्ग एक बार फिर उनका वोटबैंक बनकर उभरेगा। इस तरह रामचरितमानस पर उठते सवालों के राजनीतिक संदर्भ का एक छोर आगामी लोकसभा चुनाव तक जाता है। चूंकि लोकसभा चुनाव में अब करीब सवा साल का ही वक्त बाकी है, लिहाजा ऐसी तैयारियां तेज होंगी। उस मसले पर हंगामे भी होंगे।

आत्मघाती नीतियों का त्रास झेलता पाकिस्तान

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान आज जिस हालत में है वह शोचनीय है, आर्थिक स्थिति बदतर होती जा रही है, विदेशी मुद्रा भंडार 2 बिलियन डॉलर से भी नीचे चला गया है। इधर बदहवास पाकिस्तानी सरकार दिवालिया होने से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अंतर्राष्ट्रीय बैंकों और दानकर्ताओं से धन का जुगाड़ करने में लगी है, उधर इमरान खान और शहबाज शरीफ सरकार के बीच वाकयुद्ध जारी है। जाहिर तौर पर अमेरिका परस्त रहे जनरल बाजवा ने अपने एक चेले ले। जनरल अमीर मुनीर को नया सेनाध्यक्ष बनवा दिया है और इस तरह अमेरिका के साथ सेना का इश्क आगे भी जारी रहेगा। ऐसे नाजुक वक्त पर, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच करने का आदेश सुना डाला, उन पर सेना के अधीन आती भूमि मनमर्जी से आवंटित करने के आरोप लगे हैं। मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, पिछले कुछ सालों से अस्वस्थ चल रहे जनरल मुशर्रफ यूएई के एक अस्पताल में चल बसे।

इस सबके बीच, इमरान खान, जिन्होंने खुद प्रधानमंत्री रहते हुए देश की गंभीर आर्थिक स्थिति पर कम ही रुचि ली थी, वे अब राष्ट्रपति अलवी से कह रहे हैं कि उनके पुराने रकीब यानी जनरल कुमर बाजवा के खिलाफ तुरंत जांच बैठाई जाए। उन्होंने अपनी गद्दी जाने के पीछे जनरल बाजवा पर साजिशें करने का आरोप लगाया है। अलबत्ता, किसी पाकिस्तानी राजनेता ने शायद ही कभी तालिबान समेत कट्टरवादी इस्लामिक गुटों से निपटने के लिए अपनी निजी या सामूहिक इच्छाशक्ति दर्शायी हो। अफगानिस्तान में कट्टरवादी इस्लामिक गुटों की मदद करने का खमियाजा अब पाकिस्तान को भुगतना पड़ रहा है, यहां तक कि अपनी सीमाओं के अंदर भी। यह जगजाहिर होने के बावजूद कि पाकिस्तान और तालिबान के बीच सांठ-गांठ है, अमेरिका ने तमाम वक्त नजरें घुमाए रखीं और अंतत: उसे स्वयं बेइज्जत होकर अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा। इमरान खान को पाकिस्तान में 'तालिबान खान' के नाम से भी जाना जाता हैं।

अफगान तालिबान लंबे समय से अपने पाकिस्तानी हमबिरादरों की तहरीक-ए-तालिबान ऑफ पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ मिलकर काम करते आए हैं, और अब टीटीपी की हसरत है कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तानी इलाके को अपने अधीन करना। दूसरी ओर, पाकिस्तान अपनी धरा पर टीटीपी के खिलाफ जंग लड़ने में मशगूल है, जिसको पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अपने भाई-बंदों का व्यापक समर्थन प्राप्त है। अमेरिका और रूस में बहुत से लोग देखकर हैरान होंगे कि क्या यह वही पाकिस्तानी सेना है जो अपने उन्हीं चेलों से लड़ रही है जिनका इस्तेमाल आईएसआई ने दो दशक से ज्यादा अफगानिस्तान में रूसी और अमेरिकी फौज के खिलाफ किया। हाल ही में भारत ने अफगान जनता की सहायतार्थ गेहूं देने के अलावा माली मदद भी की है।

अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने से पहले भी भारत जिस तरह निरंतर मदद करता रहा, उसकी प्रशंसा वहां के विभिन्न तबको के लोग एक-सुर में करते हैं। हालांकि दवाओं और खाद्य सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति अफगानिस्तान पहुंचाने हेतु भारत को ईरान के चाहबहार बंदरगाह से होकर या फिर हवाई मार्ग के जरिए पहुंचानी पड़ रही है। आलम यह है कि जिस तालिबान ने 25 दिसंबर, 1999 के दिन आईसी-814 का अपहरण करने में आईएसआई का साथ दिया था, आज वही भारत से और अधिक सहायता की दरकार रखता है। भारत के अफगानी मित्र हालांकि इस बात पर मायूस हैं कि जो अफगानी बुजुर्ग अपना जीवनदायी ईलाज भारतीय अस्पतालों में करवाना चाहते हैं उनके लिए वीजा नहीं मिल रहा। भारत को इस मसले पर सकारात्मक नजरिया रखते हुए नपे-तुले ढंग से ध्यान देना चाहिए। इस बीच, तालिबान के सर्वोच्च नेता हैबातुल्लाह अखुन्जादा और आईएसआई के लाड़ले तालिबान सिराजुद्दीन हक्कानी के बीच मतभेद बढ़ते साफ दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान और तालिबान के बीच बढ़े मतभेद ड्यूरंड सीमारेखा के दोनों ओर भड़कने लगे हैं।

जनरल परवेज मुशर्रफ के हालिया निधन ने उन दिनों की यादें पुन: ताजा कर दी हैं, जब उन्होंने बतौर राष्ट्रपति अपने कार्यकाल में फ्लाइट आईसी-814 को अगवा कर कंधार ले जाए जाने वाला कांड तलिबान के साथ मिलकर करवाया था। लेकिन वक्त बीतने के साथ भारत के प्रति उनके नजरिए में बदलाव आया, खासकर 2005 में भारत यात्रा उपरांत। इसके बाद दोनों मुल्कों के राजनयिकों में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर समझौता बनाने के लिए पर्दे के पीछे वार्ताओं का दौर चला। भारतीय दल के नेतृत्व दिवंगत सतिंदर लांबा कर रहे थे जो पाकिस्तान में भारतीय दूतावास में उच्चायुक्त भी रह चुके थे। जाहिर है, भारत ने ऐसी किसी प्रक्रिया को रद्द करना था जो आतंकवाद खत्म करने की गारंटी न देती हो, दोनों देश मौजूदा सीमारेखा के वजूद का सम्मान रख रहे थे। इसको लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने डटकर कहा था 'सीमाएं फिर से नहीं खींची जा सकतीं'। अनेक सम्माननीय पाकिस्तानी हस्तियों, जैसे कि पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद कसूरी, ने भी उस व्यापक संधि का तगड़ा समर्थन किया है जिसके बारे में कहा जाता है कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर दोनों देशों में सहमति लगभग बन ही गई थी, लेकिन इस वार्ता की विषय-सूची पर भारत की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई थी। हालांकि ऐसी खबरें भी थीं कि यह सहमति इस धारणा पर बनी है कि पाकिस्तान आतंकवाद को मदद देना बंद करेगा। वर्ष 2016 में जब प्रधानमंत्री मोदी अपने पाकिस्तानी समकक्ष नवाज शरीफ के परिवार में हुए एक शादी समारोह में भाग लेने पहुंचे तो आस फिर जगी कि द्विपक्षीय और आतंकवाद के खात्मे जैसे मुद्दों पर आगे तरक्की होगी।

नियमित पांच मिनट योगासन करने से पूरा दिन रहेंगे ऊर्जावान

भुजंगासन

ये आसन शरीर को लचीला बनाता है औ पेट की चर्बी भी कम करने में मदद करता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पेट के लेट जाएं। अपनी दोनों हथेलियों को फर्श पर कंधे की चौड़ाई से अलग रखते हुए शरीर के निचले भाग को जमीन पर रखें। सांस लें और शरीर के ऊपरी भाग या छाती को फर्श से ऊपर उठाएं। फिर सांस छोड़ते हुए शरीर को फर्श पर दोबारा ले जाएं।

मानसिक और शारीरिक स्तर की तमाम समस्याओं के निवारण के लिए योग लाभदायक होता है। नियमित योगासन के अभ्यास से मानव शरीर की कई बीमारियों को आप जड़ से खत्म कर सकते हैं, वहीं मानसिक तनाव और ऊर्जा को भी बढ़ा सकते हैं। जीवन में सुख और शांति के लिए एक मजबूत शरीर के साथ ही प्रबल मस्तिष्क की भी जरूरत होती है। भावनात्मक शरीर का अनुभव जीवन आसान और सुखमय बना सकता है। आपकी दैनिक दिनचर्या हो या नौकरी हो, सही प्रेरणा के बिना नीरस और उबाऊ हो जाती है। ऐसे में योग आपके दिन की शुरुआत भी ऊर्जा और उत्साह के साथ करने में मदद करता है। सुस्त मन और शरीर से बाहर निकलने के लिए बेहतर ऊर्जा के साथ अपने दिन की शुरुआत करने के लिए प्रतिदिन सुबह खुद को पांच मिनट दें। इन पांच मिनट में आप ऐसे योगासन का अभ्यास करें जो आपके मस्तिष्क में ऊर्जा का प्रवाह करें। चलिए जानते हैं ऊर्जावान होने के लिए रोजाना सुबह किए जाने वाले योगासन के बारे में।

त्रिकोणासन

इस योग को करने के लिए अपने दोनों पैरों को फैला लें और हाथों को बाहर की तरफ निकाल कर बाहर की ओर खोलें। अब सीधे हाथ को धीरे-धीरे नीचे की तरफ पैर की ओर लाएं। कमर को नीचे की ओर झुकाते हुए नीचे देखें। सीधी हथेली को जमीन पर रखें। उल्टे हाथ को ऊपर की ओर ले जाते हैं। यह प्रक्रिया दूसरी तरफ से भी दोहराई जाती है।

सुखासन

इसे क्रॉस लेग सिटिंग पोज भी कहते हैं। इस आसन को करने के लिए ध्यान मुद्रा में बैठ जाएं। अब पीठ के पीछे से दाहिने हाथ की मदद से अपनी बाईं कलाई को पकड़ें। अब कंधों को पीछे खींचते हुए सांस लें। फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें और अपने सिर को दाहिने घुटने से छुएं। फिर से सांस लेते हुए पुनः की स्थिति में आ जाएं।

ताड़ासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले अपने दोनों पैरों की एड़ियों और पंजों को बीच कुछ दूरी रखते हुए सीधे खड़े हो जाएं। अब दोनों हाथों को कमर की सीध में ऊपर उठाते हुए हथेलियों और उंगलियों को मिला लें। गर्दन सीधी रखें और नजर सामने करते हुए पैरों की एड़ियों को ऊपर की ओर उठाएं और पूरे शरीर को भार पंजो पर करें। पेट को अंदर करते हुए इस पोज में संतुलन बनाएं रखें।

चक्रासन

चक्र का अर्थ है पहिया और आसन का अर्थ है इसे करने का तरीका। इस आसन को करने पर शरीर पहिए जैसा आकार ले लेता है। इसलिए इस आसन को आमतौर पर व्हील पोज कहा जाता है। चक्रासन योग का अभ्यास अपेक्षाकृत कठिन माना जाता है। इसे करने के लिए विशेष पारंगत होना आवश्यक है वरना इससे चोट का खतरा हो सकता है। चक्रासन करने के लिए आपको पीठ के बल जमीन पर लेटान है और धीरे-धीरे अपने पूरे शरीर को ऊपर उठाना है। शरीर को ऊपर करने के लिए आपको अपने पैर और हाथों का सहारा लेना होगा। शरीर को ऊपर करने के लिए अपने हाथों को उल्टा करके अपने कानों के पास टिकाएं और टांगों को इक्कड़ा करके खड़ा कर लें। अब धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठें। इस आसन को करने से जीवन भर आपकी पीठ नहीं दुखेगी और आपका पेट नहीं बढ़ेगा।

हंसना मना है

पति- सेल्फ कंट्रोल करना तो कोई तुमसे सीखे। पत्नी (खुश होकर)- वह तो है लेकिन किस बात पर? पति- शरीर में इतनी शुगर है लेकिन मजाल है, कभी जुबान पर आने दो, पति की बात सुनकर पत्नी ने अगले चार दिन तक घर में स्ट्राइक कर दी।

रिंकू ने पिंकू से कहा- रिंकू- देख भाई, अगर तू अपनी वेतन का 100 प्रतिशत बीवी पर खर्च करता है, तो तुझे केवल 10 प्रतिशत ही प्यार मिलेगा पिंकू- अरे, तो कोई ऐसा तरीका है जिससे 100 प्रतिशत प्यार मिले, रिंकू- हां, तू अपने वेतन का 10 प्रतिशत अपनी पड़ोसन पर खर्च कर, तुझे 100 प्रतिशत प्यार मिलेगा, पिंकू रिंकू को थैंक्स बोलता है।

सुरेश की बीवी को डिलिवरी के लिए हॉस्पिटल ले गए...सुरेश ने नर्स से बोला- बच्चा होने के बाद सीधे मत बताना, नर्स- मतलब, सुरेश-लड़का हो तो टमाटर बोलना और लड़की हो तो कहना प्याज हुई है... इत्तेफाक से सुरेश की बीवी को जुड़वा बच्चे हुए एक लड़का एक लड़की...नर्स कन्फ्यूजन में बाहर आकर बोली बधाई हो सलाद हुआ है.. नर्स की बात सुनकर पूरा अस्पताल हंसने लगा।

कहानी | जब शेर जी उठा

बहुत समय पहले द्रोण नगरी में चार दोस्त रहा करते थे। उन चारों में से तीन ब्राह्मण कई तरह की विद्याओं में निपुण थे, जबकि चौथे के पास किसी तरह की विद्या नहीं, लेकिन वह बहुत बुद्धिमान था। चौथा दोस्त हमेशा अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करके हर समस्या से बचने का रास्ता निकाल लेता था, जबकि अन्य दोस्त विद्यावान होते हुए भी समझदारी से काम नहीं लेते थे। एक दिन उन चारों दोस्तों ने मिलकर सोचा कि पैसा कमाने के लिए विदेश जाना चाहिए। इसी के चलते चारों विदेश यात्रा पर चल दिए। यात्रा के दौरान एक ब्राह्मण दोस्त ने कहा कि हम में से सिर्फ एक दोस्त के पास विद्या नहीं है। ऐसे दोस्त को हमारी विद्या के कारण मिलने वाला धन नहीं मिलना चाहिए। वो घर वापस जा सकता है। इस पर दूसरा दोस्त सहमत हो गया, लेकिन तीसरे दोस्त ने कहा कि ऐसा करना ठीक नहीं होगा। हम सभी बचपन से दोस्त हैं और अब यह फैसला लेना गलत होगा। हम जो कुछ भी कमाएंगे, उसे चार हिस्सों में बांट देंगे। इस बात पर सबने हामी भरी। यात्रा के दौरान जंगल से गुजरते हुए उन्हें एक मरा हुआ शेर दिखा। सभी ब्राह्मणों ने कहा कि हम अपनी विद्या के चमत्कार से इस शेर को जिंदा कर देंगे। इससे हमें बहुत यश और कीर्ति मिलेगी। तीनों ब्राह्मण दोस्त उसे जिंदा करने में लग गए, लेकिन चौथे बुद्धिमान दोस्त ने उन्हें ऐसा करने से मना किया। उसने कहा कि अगर तुम लोग इसे जिंदा कर दोगे, तो वह जिंदा होते ही हम सबको खा जाएगा। चौथे दोस्त के बहुत कहने के बावजूद तीनों दोस्त नहीं माने। तीनों को अपनी-अपनी विद्या का इस्तेमाल करते देख चौथा दोस्त डर गया। उसने अपने सभी मित्रों से कहा, ठीक है, तुम लोग अपने मन की करो, लेकिन मुझे पेड़ पर चढ़ जाने दो। वहीं, अन्य दोस्त अपनी सिद्धियों और विद्याओं के बल से उस शेर को जीवित करने की कोशिश में लग गए। और शेर जिंदा हो जाता है। शेर जैसे ही जिंदा हुआ वह अपने आसपास तीन ब्राह्मणों को देखते ही उन्हें मार डालता है, जबकि पेड़ पर चढ़ा चौथा दोस्त अपनी समझदारी से बच जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। दोस्तों का साथ राहत देगा।

तुला

आज नौकरी में बदलाव की संभावना दिखाई दे रही है इसलिए थोड़ा जागरूक रहें। परिवार के बुजुर्गों की सेहत कमजोर रहेगी। आपकी मां जी को कोई दिक्कत हो सकती है।

वृषभ

आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा। अगर आप आयात-निर्यात के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको लाभ होगा ।

वृश्चिक

पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। रिश्तेदारों से एक बड़ा उपहार प्राप्त कर सकते हैं। व्यावसायिक यात्राएं लाभदायक रहेंगी। किए गए अच्छे कामों की तारीफ हो सकती है।

मिथुन

आज आपको अपने स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना चाहिए क्योंकि मानसिक तनाव तो हावी रहेगा ही स्वास्थ्य भी कमजोर हो सकता है। विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे।

धनु

आपका प्रतिरक्षा-तंत्र इस समय कमज़ोर है, इसलिए बीमार होने से पहले ही आवश्यक दवा लें। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है।

कर्क

आज अचानक धन लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक संदर्भ में आज लाभकारी विकास संभव है, जो भविष्य में आपको अच्छे परिणाम देगा।

मकर

आज आपका दिन शुभ रहेगा। आपको किसी काम में दोस्तों की मदद मिल सकती है। कई दिनों से आपका रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

सिंह

खुश हो जाएं क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आज आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ

आज के दिन को अच्छा बनाने के लिए आपको काफी मेहनत करनी होगी। प्रेम जीवन में आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। स्वास्थ्य थोड़ा सा कमजोर हो सकता है।

कन्या

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपके करियर को एक नई दिशा मिलेगी। कार्यस्थल पर आपकी मान-मर्यादा बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन

आज आप व्यावहारिक मामले निपटाने में सफल रहेंगे। आपका अच्छा व्यवहार आपको दूसरों को प्रभावित करने में मदद करेगा। आप अपने प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं स्क्रिप्ट पढ़कर ही फिल्म के लिए हां कहती हूं: यामी

यामी गौतम की गिनती संजीदा एक्ट्रेसेस में होती है। हाल ही में उनकी फिल्म अ थर्सडे को एक साल हो रहें हैं। इस फिल्म को यामी अपने दिल के बेहद करीब मानती हैं। वहीं हाल ही में यामी की नई फिल्म लॉस्ट रिलीज हुई है।

अपनी पिछली फिल्म के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा- 'अगर स्क्रिप्ट पर आप का विश्वास अगर गहरा हो, आपने जी-जान लगाया हो तो वह ऑडियंस तक सही तरीके से पहुंचती ही है। अ थर्सडे तो लोगों के दिलों को छू पाई। लोगों ने इतना प्यार दिया कि एक साल के बाद भी उस फिल्म को याद रखा जा रहा है। लोगों के मैसेज आज भी आते हैं।'लॉस्ट और अ थर्सडे की रिलीज में एक ही दिन का अंतर रहा है। लॉस्ट भी स्क्रिप्ट भी कमाल की है। एक बेहद सुलझे हुए डायरेक्टर ने उसे बनाया है। एक नया रोल और नई कहानी पेश की गई है। उम्मीद है इसे भी लोग पसंद करेंगे और एक साल बाद दोबारा हम इस बारे में बात करेंगे।' 'आज तक मैंने जो भी फिल्में की हैं, खासकर जो भी अच्छी फिल्में की हैं। उन्हें करने की मेन वजह स्क्रिप्ट ही रही हैं। वो हमेशा कायम रहेंगी। मुझे नैरेशन से ज्यादा स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद है। मेरे बारे में कहा जाता है कि मैं उन गिने चुने एक्टर्स में हूं, जिन्हें पढ़ना पसंद है। उससे मुझे स्टोरी बारे में ज्यादा समझ आता है।' उस स्टेज के बाद मुझे डिस्कशन करना पसंद है। तो किसी फिल्म को हां करने से पहले मैं स्क्रिप्ट को पूरा पढ़ती हूं। फिर उसमें मेरा कितना रोल है, वह कितना जरूरी है, वह समझती हूं।' 'नैना जायसवाल का मेरा फेवरेट है। वह इसलिए कि शायद सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, जिस किसी ने इसे देखा है, चाहे वह लड़का हो या लड़की, सबने नैना के दर्द में खुद को पाया है।'दोनों ही फिल्मों रोल बेशक इंटेंस हैं, लेकिन जब आप लॉस्ट देखेंगे तो महसूस होगा कि वो कैसे और क्यों अलग है। कोई दो फिल्में थ्रिलर हैं, उसका मतलब यह नहीं कि सेम ही पैटर्न की होंगी। थ्रिलर में भी काफी वैरिएशन होते हैं।

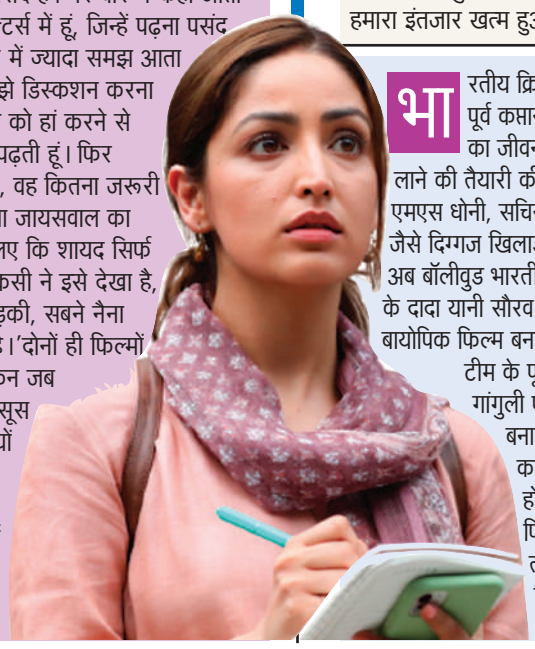

टाइगर श्रॉफ स्टारर 'गणपत' का धांसू टीजर हुआ रिलीज

टाइगर श्रॉफ बहुत जल्द फिल्म 'गणपत' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं। हाल ही में एक्टर ने इस फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें एक्टर जबरदस्त एक्शन करते दिखाई दे रहे हैं। टीजर सामने आते ही फैंस के बीच तहलका मचा रहा है।

श्रॉफ अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। एक्टर ने लिखा, 'ऐसी एक दुनिया जहां आतंक का है राज, वहां गणपत आ रहा है बनके अपने लोगों की आवाज। शानदार एंटरटेनर 20th अक्टूबर 2023 को रिलीज कर रहा हूं! इस दशहरे सिनेमाघरों में करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। टीजर में टाइगर फिर एक्शन हीरो के रूप में दिखे। फैंस टीजर को देखकर ना सिर्फ फिल्म बल्कि एक्टर की बॉडी की भी काफी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

फैंस हुए इंप्रैस

सोशल मीडिया पर टीजर रिलीज होते ही वायरल हो गया है। कुछ मिनटों में ही टीजर को 2 लाख से लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं फैंस भी जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने इसपर कमेंट करते हुए लिखा, 'फाइनली हमारा इंतजार खत्म हुआ।' वहीं दूसरे ने लिखा कि, 'बाप रे रोंगटे खड़े हो गए।' वहीं अन्य ने लिखा कि, 'ये तो बवाल है।'

फिर दिखेगी कृति-टाइगर की जोड़ी

टाइगर की ये फिल्म भी एक्शन से भरी हुई है। एक्टर फिल्म में कृति सेनन के साथ नजर आएंगे। बता दें कि दोनों की जोड़ी फिल्म 'हीरोपंती' में भी नजर आई थीं। इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर काफी धूम मचा दी थी। वहीं इसके अलावा टाइगर 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी नजर आने वाले हैं। एक्टर फिल्म में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

अब 'दादा' बनेंगे रणबीर, निभाएंगे गांगुली का किरदार

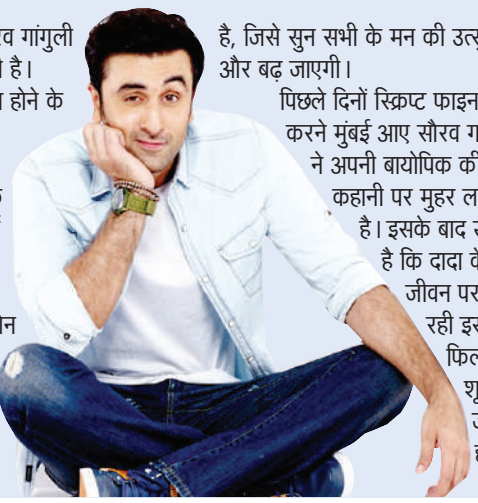

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का जीवन भी पर्दे पर लाने की तैयारी की जा रही है। एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के बाद अब बॉलीवुड भारतीय क्रिकेट टीम के दादा यानी सौरव गांगुली की बायोपिक फिल्म बनाने जा रहा है। टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली पर बायोपिक बनाने का एलान काफी समय पहले हो चुका है। लव फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर सौरव गांगुली ने मुहर लगा दी है। स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद अब सबके दिमाग में एक ही सवाल है कि आखिर बड़े पर्दे पर दादा का किरदार बॉलीवुड का कौन सा अभिनेता निभाएगा? हमारे पास एक ऐसी खबर है, जिसे सुन सभी के मन की उत्सुकता और बढ़ जाएगी।

पिछले दिनों स्क्रिप्ट फाइनल करने मुंबई आए सौरव गांगुली ने अपनी बायोपिक की कहानी पर मुहर लगा दी है। इसके बाद खबर है कि दादा के जीवन पर बन रही इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही कोलकाता में शुरू की जाएगी। अब स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद सवाल उठता है कि ऑनस्क्रीन सौरव कौन बनेगा? तो खबरों के अनुसार, ऑनस्क्रीन सौरव गांगुली का किरदार निभाने के लिए रणबीर कपूर का नाम सामने आ रहा है। सौरव गांगुली के एक करीबी सूत्र के अनुसार, रणबीर कपूर के नाम की बायोपिक के लिए पुष्टि की गई है और वह सौरव गांगुली की ऑनस्क्रीन भूमिका निभाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि सौरव ने बार-बार रणबीर के लिए अपना झुकाव व्यक्त किया है।

अजब-गजब | करीब 200 साल से चली आ रही है परंपरा

इस गांव में घर की चौखट पर ही बनाते हैं कब्र

आपने कोई ऐसा गांव देखा है, जहां हर घर की चौखट पर कब्र हो। पर आंध्र प्रदेश में एक गांव है अय्या कोंडा, जहां पहुंचने पर आपको लगेगा कि कहीं आप किसी कब्रिस्तान में तो नहीं आ गए? यहां पूरा गांव कब्र से अटा पड़ा है। हर घर के बाहर एक या दो कब्र आपको दिख ही जाएगी। कुछ और अजीब रिवाज है यहां का, जिसका लोग पालन करते हैं।

अय्या कोंडा कुरनूल डिस्ट्रिक से 66 किलोमीटर दूर गोनेगंदल मंडल में एक पहाड़ी पर बसा है। कुछ लोग गांव को आईकोंडा भी कहकर बुलाते हैं। यहां माला दासरी समुदाय के करीब 200 परिवार रहते हैं। यहां कोई कब्रिस्तान नहीं है। गांव के लोग अपने सगे संबंधियों की मौत के बाद उनके शव को घर के सामने ही दफन करते हैं। उसके बाद वहीं एक कब्र बनाते हैं। करीब 200 साल से हर परिवार इन रीति-रिवाजों का पालन कर रहा है। महिलाएं और बच्चे इन्हीं के आसपास रहते हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि यह मकबरा उनके लिए पूजा स्थल की तरह है। ग्रामीणों का कहना है कि ये कब्र उनके पूर्वजों की हैं जिनकी वो रोज पूजा करते हैं। घर में पकाया जाने वाला खाना परिवार के सदस्य तब तक नहीं छूते जब तक उसे मृतकों की कब्र पर चढ़ाया नहीं जाता है। इतना ही नहीं, जब वो नए गैजेट्स भी खरीदते हैं तो पहले उसे इन कब्रों के सामने रखते हैं, इसके बाद ही उसका

इस्तेमाल शुरू करते हैं। यहां की एक और अजीब परंपरा है। लोग कभी बेड पर नहीं सोते। इसके पीछे भी एक कहानी है। ग्रामीणों के मुताबिक, बहुत पहले गांव में नल्ला रेड्डी नाम का एक जमींदार हुआ करता था। जब नल्ला रेड्डी की शादी हुई तो दहेज में उन्हें खाट नहीं मिली। तब से ग्रामीणों ने तय कर लिया कि वे खाट पर नहीं सोएंगे। तभी से इस परंपरा का पालन किया जा रहा है। यहां तक कि गर्भवती महिलाओं को भी फर्श पर सोना पड़ता है और प्रसव भी फर्श पर ही होता है। नल्ला रेड्डी को लोग आध्यात्मिक गुरु मानते हैं। उनका मंदिर भी बनाया हुआ है जिसमें पूजा की जाती है। यहां के लोग किसी दूसरे गांव या जाति के लोगों से संबंध नहीं रखते। गांव के बाहर शादी नहीं करते। कुछ समय पहले वाल्मीकि बोया समुदाय के दो लोग वहां रहने लगे थे, लेकिन रहस्यमय तरीके से वे अज्ञात बीमारियों की चपेट में आ गए। इसके बाद गांव छोड़कर जाना पड़ा। अब लोगों को अपने भविष्य की चिंता है कि जब कब्र बनाने के लिए हमारे पास ज़मीनें नहीं रह जाएंगी तो हम क्या करेंगे?

एक झटके में 88 लाख रुपये के कुरकुरे खा गई महिला

अक्सर लोग कुरकुरे, चिप्स, नाचोस जैसी चीजें बड़े ही चाव से खाते हैं। उसके टेढ़े-मेढ़े शेप्स लोगों का ध्यान और भी ज्यादा अपनी ओर खींचते हैं। कई बार उनके शेप इतने ज्यादा विचित्र होते हैं कि वो बाकी कुरकुरे या चिप्स से अलग दिखते हैं। हाल ही में ब्रिटेन की एक महिला को भी ऐसे ही अजीब शेप वाला कुरकुरे दिखा जिसकी तस्वीर उसने खींच ली और फिर उसे खा गई। पर बाद में उसे मालूम चला कि वो कुरकुरे उसे 88 लाख रुपये तक दिला सकती थी। मिरर न्यूज़ वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार श्रॉपशायर की रहने वाली 40 साल डॉन सैगर को हाल ही में एक खजाना हाथ लगा पर अंजाने में उन्होंने उसे खा लिया! जी हां, उस खजाने के वो खा गई और अब उन्हें पछतावा हो रहा है। दरअसल, दो बच्चों की मां डॉन एक सुपरमार्केट में काम करती हैं और बीते 15 फरवरी को वो अपनी शिफ्ट शुरू होने से पहले रेडी सॉल्टेड नाम के स्नैक को खा रही थीं जो कुरकुरे जैसा होता है। इस कुरकुरे को वॉकर्स नाम की कंपनी बनाती है। कुरकुरे खाते-खाते उनकी नजर में एक दिल शेप का चिप्स आया। आलू से बना वो चिप्स पर्फेक्ट हार्ट था। महिला को वो काफी अच्छा लगा, उसने उसकी फोटो क्लिक कर ली और अपने दोस्तों को भेज दी। फिर वो उस टुकड़े को खा गई। कुछ देर बाद उसके दोस्तों ने उसे मैसेज कर बताया कि वॉकर्स ने एक ऑफर रखा है, जो सबसे यूनीक शेप का कुरकुरे लाएगा, उसे 88 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। ये सुनकर डॉन के होश उड़ गए और उन्हें कुरकुरे खाने पर अफसोस होने लगा। अब जब कुरकुरे को दोबारा हासिल करना उनके बस में नहीं है तो उन्हें मिरर से बात करते हुए कहा कि वो ज्यादा अफसोस नहीं कर रही हैं क्योंकि उनके पास रुपये नहीं थे, इसलिए उन्हें दुख नहीं है। वो रुपये उन्हें कभी मिले ही नहीं थे कि उनके जाने का गम वो करें। हालांकि, वो लोगों को ये सलाह दे रही हैं कि जब भी वो उस कुरकुरे को खाएं तो खास दिल शेप वाले चिप्स पर ध्यान रखें। दरअस, 20 मार्च तक कंपनी ने ये ऑफर जारी रखा है और उनका कहना है कि अन्य पैकेट में भी दिल शेप वाले चिप्स होंगे।

भाजपा का सबका साथ, सबका विकास का नारा खोखला : अखिलेश यादव

» विधानसभा में बोले नेता प्रतिपक्ष, सत्ता में आए तो कराएंगे जातीय जनगणना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा में जातीय जनगणना का मुद्दा उठाते हुए कहा भाजपा सबका साथ, सबका विकास का नारा देती है, लेकिन जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती है। बिना जातीय जनगणना के भाजपा का यह नारा अधूरा है। उन्होंने कहा कि जब बिहार में जनगणना हो सकती है तो यूपी में क्यों नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि सपा की सरकार बनी तो तीन महीने जातीय जनगणना कराएंगे। उन्होंने सरकार से भी जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना कराने की भी मांग की। उन्होंने सरकार की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया। कहा कि भाजपा ने दुबारा सरकार भले ही बना ली, पर न तो इसकी राजनीतिक विश्वसनीयता रह गई है और न ही वित्तीय विश्वसनीयता रह गई है। सरकार वादे पूरे ही नहीं कर रही है।

बृहस्पतिवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए अखिलेश ने कहा, सरकार ने राज्यपाल का समय खराब किया। उनका अभिभाषण 'कट एंड पेस्ट' करके तैयार कराया गया था। उन्होंने कहा कि राज्यपाल यदि अपने खुद के विचार से अभिभाषण तैयार कराया होता तो सच्चाई सबसे सामने होती।

छह साल से सपने अधूरे

प्रदेश की कानून-व्यवस्था, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और किसानों की आय दोगुनी करने के मुद्दे की चर्चा करते हुए कहा, सरकार ने विकास के बड़े सपने दिखाए थे, जो छह साल में पूरा नहीं हुआ।

स्टेट रैंकिंग में यूपी पिछड़ा

उन्होंने सभी क्षेत्रों में नंबर एक होने के सरकार के दावे को गलत बताते हुए कहा कि स्टेट रैंकिंग में पहले पायदान पर महाराष्ट्र, दूसरे पर गुजरात और यूपी 16वें नंबर पर है। इसी प्रकार आर्थिक रैंकिंग में भी यूपी 17वें पायदान पर है, जबकि गुजरात एक नंबर पर है।

मेरे खिलाफ कविता बनी थी मै तो खुश था

इस मौके पर अखिलेश ने लोकगायिका नेहा राठौर को नोटिस दिए जाने पर कहा कि इस सरकार में गाने पर नोटिस दिया जा रहा है। मेरे खिलाफ कविता बनी थी तो हम तो खुश हुए थे। उन्होंने कहा कि हम पहले ऐसे मुख्यमंत्री थे जिसने अपनी कार्टून बनवाई थी। उन्होंने कहा कोई टाई-सूट में दिखे उसे पकड़कर एमओयू साइन कर लिया, जहां भी कोई टाई-सूट में दिखे उसे पकड़कर एमओयू साइन कर लो वाली स्थिति है। उन्होंने कहा एक मंत्री यूनाइटेड स्टेट गए थे और एक यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू किया था। बाद में पता चला कि वह यूनिवर्सिटी तो है ही नहीं। उन्होंने नेता सदन की ओर इशारा करते हुए फिर उन मंत्री को फिर से वहां भेजिए और तब तक भारत वापस न आने दीजिए जब तक सही तरीके एमओयू न हो जाए।

कानपुर देहात कांड में कार्रवाई क्यों नहीं

कानपुर देहात में मां-बेटी की घटना का जिक्र करते हुए अखिलेश ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। कहा, इस घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। आखिर मुख्यमंत्री को कार्रवाई से कौन रोक रहा है। कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जो सरकार प्रदेश को स्थाई डीजीपी नहीं दे सकती है, उससे कानून-व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस की उम्मीद करना बेमानी है।

इलाहाबाद व मद्रास हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश बनाए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में तीन और मद्रास हाईकोर्ट में एक वकील को अतिरिक्त न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति के लिए अधिसूचना जारी कर दी। अधिसूचना के मुताबिक, वकील प्रशांत कुमार, मंजीवे शुक्ला और अरुण कुमार सिंह देशवाल को दो साल के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश तथा वकील वेंकटचारी लक्ष्मीनारायणन को मद्रास हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शीर्ष अदालत के फैसलों का तटस्थ उद्धरण (न्यूट्रल साइटेशन) शुरू करने की घोषणा की। यह सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देने की एक समान पद्धति सुनिश्चित करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि उसके फैसलों की पहचान करने व उनका हवाला देने के लिए एक समान, विश्वसनीय और सुरक्षित कार्यप्रणाली की शुरुआत और कार्यान्वयन के लिए कदम उठाए गए हैं। लगभग 30,000 फैसलों में तटस्थ उद्धरण होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि हाईकोर्ट भी इसका अनुसरण करेंगे।

फोटो :4 पीएम

यात्रा

बाबा रामदेव ने शुक्रवार को लखनऊ मेट्रो का सफर किया। मेट्रो एमडी के साथ हजरतगंज से सचिवालय तक के सफर में उन्होंने यात्रियों से भी बात की। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि भारत में पहली बार मैंने किसी मेट्रो में सफर किया है। विदेशों जैसे ही मेट्रो लखनऊ में भी चल रही है। लोगों को इसका सफर करके शहर को प्रदूषण मुक्त बनाना चाहिए।

टीएमसी ही भगवा पार्टी का विकल्प : महुआ

» राहुल गांधी पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिलांग। राहुल के बयान को लेकर टीएमसी ने पलटवार किया है। पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर जुबानी वार किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में मेघालय में चुनावी रैली के दौरान भाजपा और टीएमसी पर जमकर हमला बोला था। राहुल गांधी ने टीएमसी को भाजपा की बी टीम कहा था।

राहुल गांधी द्वारा लगाए गए भाजपा के साथ सांठगांठ के आरोप पर महुआ मोइत्रा ने कहा कि टीएमसी ही भगवा पार्टी का एकमात्र राष्ट्रीय विकल्प है। उत्तरी शिलांग से टीएमसी उम्मीदवार एल्गिवा ग्वेनेथ के समर्थन में एक रैली करते हुए महुआ ने कहा, अगर कांग्रेस बीजेपी को हराने में सक्षम होती, तो हमें विधानसभा चुनाव लड़ने की कोई जरूरत नहीं होती। कांग्रेस यहां चुनाव जीतने में असफल रही है, इसलिए

हमें लोगों को एक विकल्प देने के लिए आगे आना पड़ा। टीएमसी ही भाजपा का एकमात्र विकल्प है। टीएमसी नेता ने आगे कहा कि क्या हमें घर पर बैठकर बीजेपी को एक और आम चुनाव जीतते हुए देखना चाहिए, जबकि कांग्रेस राज्य दर राज्य हारती जा रही है। महिला मतदाताओं से उत्तरी शिलांग उम्मीदवार के पक्ष में वोटिंग की अपील करते हुए महुआ ने कहा कि हमारे पास परिवर्तन करने के लिए शक्ति है। सभी पुरुष वोटों को विभाजित होने दें। यदि सभी महिलाएं एल्गिवा को वोट देती हैं, तो हम उत्तरी शिलांग में जीतेंगे।

भारत जोड़ो यात्रा क्रांतिकारी थी : शत्रुघ्न सिन्हा

पटना। तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि कोई भी 2024 के चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बतौर पीएम के रूप में नजरअंदाज नहीं कर सकता है। साथ ही अभिनेता ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को क्रांतिकारी बताया। सिन्हा ने कहा, आप 2024 में राहुल गांधी को पीएम के रूप में अनदेखा नहीं कर सकते हैं। भारत जोड़ो यात्रा क्रांतिकारी थी। बिहार के उप मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव अच्छा कर रहे हैं, उन्हें बहुत अनुभव प्राप्त हुआ है, उन्हें बिहार के भविष्य के रूप में देखा जाता है, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनने के लिए, योग्यता की आवश्यकता नहीं है, केवल एक को समर्थन की आवश्यकता है, मुझे विश्वास नहीं है कि पीएम ने चाय बेची थी, यह केवल प्रचार था। अनुभवी अभिनेता ने कहा, नीतीश बिहार के एक सफल नेता और सीएम हैं। वह विरोधियों को एक साथ लाने के लिए उत्कृष्ट काम कर रहे हैं।

दबाव में आकर बिखर गई भारतीय टीम

» विश्वकप सेमीफाइनल में हारी महिला टीम, ऑस्ट्रेलिया फाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केपटाउन। महिला टी20 विश्व कप में टीम इंडिया का सफर खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में भारत को पांच रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम सातवीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। इस मैच से पहले ही भारत के लिए चुनौतियां शुरू हो गई थीं और कई अहम खिलाड़ी मैच से पहले पूरी तरह फिट नहीं थीं। हालांकि, जब भारतीय टीम खेलने उतरी तो युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया और टीम इंडिया मैच में बनी रही। एक समय तक लग रहा था कि भारत मैच जीत सकता है, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ऋचा घोष गलत समय पर आउट हो गईं और टीम इंडिया पांच रन से मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यहां हम भारत की हार के कारण बता रहे हैं।

सेमीफाइनल मैच से पहले भारत की टीम मुश्किल में फंस गई थी। पूजा वस्त्राकर बीमार होने के कारण नहीं खेल पाईं। कप्तान हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना और राधा यादव जैसी खिलाड़ी मैच से पहले पूरी तरह फिट नहीं थीं। पूजा की जगह स्नेह राणा टीम में शामिल हुईं और मैच भी खेल गईं।

खराब फील्डिंग

भारतीय टीम ने इस मैच में बेहद ही खराब फील्डिंग की नौवें ओवर में मेग लैनिंग का आसान कैच छूटा तब वह एक रन पर खेल रही थीं। इसके बाद उनको स्टंप आउट करने का मौका विकेटकीपर ऋचा घोष ने गंवाया। इस समय वह नौ रन पर बल्लेबाजी कर रही थीं। अंत में लैनिंग ने नाबाद 49 रन बना दिए और ऑस्ट्रेलिया को अच्छे स्कोर तक पहुंचा दिया। 32 रन के स्कोर बेथ मूनी को भी जीवनदान मिला और उन्होंने 54 रन की शानदार पारी खेली। फील्डिंग के दौरान भारत ने 10 से 12 रन गंवाए और यही रन हार-जीत का अंतर साबित हुए।

नहीं चले गेंदबाज

इस मैच में भारत ने पावरप्ले में कोई विकेट नहीं लिया और पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी होने दी। 52 रन के स्कोर पर पहला विकेट गिरा, लेकिन इसके बाद गेंदबाज दबाव नहीं बना पाए। खराब फील्डिंग के चलते ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लगातार साझेदारी करते गए और टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया। अंत के ओवरों में भारतीय गेंदबाज रन रोकने में भी नाकाम रहे और ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़े स्कोर तक पहुंचने में नाकाम रही।

अब स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव पर एमसीडी में हंगामा

जैसे मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव जीते वैसे ही ये भी जीतेंगे : सौरभ भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में आज फिर स्थायी समिति के लिए चुनाव होगा। हंगामे के पूरे आसार हैं। बुधवार की रात से शुरू हुआ मतदान का सिलसिला अगले दिन सवेरे तक पूरा नहीं हो सका था। रात भर हंगामा और हाथापाई के बाद कल सवेरे सदन को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया था।

हालांकि सदन की कार्यवाही शुरू होते ही पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया है। वहीं आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि हमें पूरा विश्वास है कि जैसे मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव जीते वैसे ही हम स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव भी जीतेंगे।

सहरावत का नाम आने पर लगे गद्दार-गद्दार के नारे

आम आदमी पार्टी से आज ही भाजपा में शामिल हुए पवन सहरावत का नाम वोटिंग के लिए एनाउंस होने के बाद आप के पार्षदों ने उन्हें देखते हुए गद्दार-गद्दार के नारे लगाए।

शांतिपूर्वक शुरू से कराएंगे मतदान : शैली

सदन की कार्यवाही शुरू कराने के लिए पहुंची मेयर शैली ओबरॉय ने कहा, कुछ पार्षदों के द्वारा स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव में हंगामा किया गया था। आज सभी से अनुरोध है कि हम सब चुनाव की प्रकिया का शांतिपूर्वक करेंगे। उन्होंने पार्षदों को निर्देश दिए कि अनुशाहित रहें, आज हम दोबारा शुरू से चुनाव कराएंगे और वार्ड एक से चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी।

आप पार्षद भाजपा में शामिल

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही आप पार्षद पवन सहरावत भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जो भी हंगामा बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक हुआ वो आप के इशारे पर हुआ।

फोटो: सुमित कुमार

सदन का पांचवां दिन

आज सदन के पांचवे दिन माननीयों ने सत्र में हिस्सा लिया। इस मौके पर सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव, अभय सिंह व अपना दल के नेता आशीष समेत भाजपा नेताओं ने सदन की गैलरी में पोज दिया।

नेहा राठौर को भेजे गए नोटिस पर डीजीपी को लिखा पत्र

अधिकार सेना की प्रभारी डा.नूतन ठाकुर ने बताया प्रशासनिक दुस्कृत्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अधिकार सेना विधि प्रकोष्ट की प्रभारी डा.नूतन ठाकुर ने कानपुर देहात अग्निकांड पर नेहा सिंह राठौर के गीत 'यूपी में का बा' मामले में भेजे गए नोटिस पर पुलिस अधिकारियों की लापरवाही के खिलाफ यूपी के डीजीपी को पत्र भेजा गया है। उन्होंने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को लिखा कि संबंधित प्रभारी द्वारा लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को भेजी गई नोटिस को नियमानुसार गलत है।

डीजीपी को लिखे पत्र में बताया है कि प्रमोद कुमार शुक्ला प्रभारी निरीक्षक अकबरपुर कानपुर देहात द्वारा नेहा सिंह राठौर पत्नी हिमांशु सिंह निवासी इंद्रलोक कालोनी शाहजहांपुर को भेजी गई 160 सीआरपीसी की नोटिस पूरी तरह अवैध है।

यह नोटिस पूरी तरह से प्रशासनिक दुराचार व विधि के प्रावधानों का स्पष्ट दुरुपयोग है। उन्होंने निरीक्षक पर वैधानिक व प्रशासनिक कार्रवाई करने को भी कहा है। सीआरपीसी 160 की नोटिस पुलिस अफसर द्वारा किसी विवेचना के दौरान किसी गवाह को बुलाए जाने से संबंधित है। इस नोटिस में कोई एफआईआर अंकित नहीं है। इससे यह प्रतित होता है कि यह नोटिस एफआईआर की विवेचना से संबंधित नहीं है। ये नोटिस मात्र नेहा द्वारा बनाए गए विडियो संबंधित प्रश्नवाली की प्रति है। ये नोटिस पुलिस द्वारा नागरिक को भय दिखाने के लिए भेजा गया है जो एक आपराधिक कृत्य है।

रिपोर्टिंग पर रोक लगाने से 'सुप्रीम' इनकार

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा- हम कोई निषेधाज्ञा जारी नहीं करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हिंडनबर्ग मामले पर मीडिया को रिपोर्टिंग करने से रोकने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी, जब तक कि अदालत अपना आदेश नहीं सुनाती। शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च के धोखाधड़ी के आरोपों से उत्पन्न अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट पर जनहित याचिकाओं के एक बैच पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले का उल्लेख करने वाले अधिवक्ता एम एल शर्मा की याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, हम मीडिया के लिए कोई निषेधाज्ञा जारी नहीं करने जा रहे हैं। बेंच में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने सोमवार को याचिकाकर्ताओं में से एक के सुझाव और जनहित याचिकाओं के एक बैच में फोर्ब्स द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेने से इनकार कर दिया था। अदालत ने 17 फरवरी को शेयर बाजार के लिए नियामक उपायों को मजबूत करने के लिए

पैनल की स्थापना पर विचार करे केंद्र

शीर्ष अदालत ने 10 फरवरी को कहा था कि अदाणी समूह के स्टॉक रूट की पृष्ठभूमि में भारतीय निवेशकों के हितों को बाजार की अस्थिरता के खिलाफ संरक्षित करने की आवश्यकता है और केंद्र से नियामक तंत्र को मजबूत करने के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में डोमेन विशेषज्ञों के एक पैनल की स्थापना पर विचार करने के लिए कहा।

विशेषज्ञों के एक प्रस्तावित पैनल पर केंद्र के सुझाव को सीलबंद लिफाफे में स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने कहा था, हम आपके सीलबंद लिफाफे में दिए गए सुझाव को स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि हम पूरी पारदर्शिता बनाए रखना चाहते हैं।

इरफान सोलंकी की हुई पेशी, चार मार्च को तय होंगे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। जाजमऊ आगजनी कांड और फर्जी आधार कार्ड दोनों ही मामलों में अब चार मार्च को आरोप तय हो सकेंगे। महाराजगंज जेल से इरफान को भारी सुरक्षा में सुबह कोर्ट लाया गया था। सपा विधायक को शुक्रवार सुबह सेशन कोर्ट में पेश किया गया।

जाजमऊ आगजनी मामले में कोर्ट में आरोप तय होने थे, लेकिन एमपी एमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण फाइल अपर जिला जज 17 की कोर्ट में पेशी हुई। यहां पर आरोप के लिए चार मार्च की तारीख नियत कर दी गई।

कोर्ट के आदेश पर अमृतपाल का साथी लवप्रीत तूफान रिहा

खालिस्तान को बुराई के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए: वारिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर (पंजाब)। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के साथी लवप्रीत तूफान को कुछ ही देर में रिहा कर दिया जाएगा। अजनाला कोर्ट ने पुलिस को आदेश दे दिए हैं। इससे पहले एसएसपी ने कहा था कि तूफान ने सबूत पेश किए कि वह मौके पर मौजूद नहीं था। हमने इसे कोर्ट में जमा कर दिया है।

वहीं वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने कहा कि खालिस्तान के हमारे उद्देश्य को बुराई और वर्जित के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे बौद्धिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए कि इसके भू-राजनीतिक लाभ क्या हो सकते हैं। यह एक विचारधारा है और विचारधारा कभी मरती नहीं है। हम दिल्ली से कुछ नहीं मांग रहे हैं।

यह है मामला

17 फरवरी को अमृतपाल सिंह, उसके छह साथियों और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना अजनाला में पुलिस ने वरिंदर सिंह नाम के युवक के बयान पर मामला दर्ज किया था। वरिंदर सिंह ने आरोप लगाया था कि अमृतपाल और उसके साथियों ने उसका अपहरण किया, मारपीट की और उसके ककारों की बेअदबी की। उसकी धन राशि भी लूट ली। इस मामले में पुलिस ने अमृतपाल के साथियों को पकड़ने के लिए छापमारी शुरू कर दी थी। गुरुवार को अमृतपाल ने पंजाब भर के अपने समर्थकों को थाना अजनाला पहुंचने का आह्वान किया था।

एसआईटी करेगी जांच

वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल के साथियों पर दर्ज मामलों की जांच अब स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। पुलिस के इस आश्वासन के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने थाने के बाहर धरना जारी रखा है। पंजाब पुलिस बार्डर जोन के आईजी मुनीष चावला और अमृतसर (ग्रामीण) के एसएसपी सतिंदर सिंह का कहना है कि वारिस पंजाब दे के प्रतिनिधियों के साथ पुलिस अधिकारियों की बैठक हो गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।